

अनुसंधान दर्शिका प्रथम भाग
खण्ड - क
एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश
अनुक्रमणिका

1 - काय चिकित्सा

क्र. सं.	शीर्षक का नाम	अध्येता का नाम	पृष्ठ नं.
1974			
1.	शोथ रोग का नैदानिक अध्ययन एवं दशमूल प्रयोग	: डा. मदनलाल शर्मा	1
2.	गुल्म रोग विवेचन	: वैद्य बनवारी लाल गौड	1
3.	ग्रहणी रोग विवेचन	: डा. श्रीकृष्ण शर्मा	2
4.	अम्लपित्त रोग विमर्श (विद्याधराभ्र प्रयोग)	: डा. रामस्वरूप शर्मा	3
5.	शिरः शूल का नैदानिक अध्ययन एवं पथ्यादि क्वाथ का परीक्षण	: डा. महेन्द्र कुमार शाण्डिल्य	3
6.	जलोदर का नैदानिक अध्ययन एवं इन्द्रवारुणी प्रयोग	: डा. कनकप्रसाद व्यास	4
7.	आमवात का निदान चिकित्सात्मक अध्ययन (गुग्गुलु प्रयोग)	: डा. संतोष कुमार मिश्र	5

1975

8. उदावर्त रोग एवं सुकुमार कुमार घृत : डा. ओमप्रकाश शर्मा 5
9. तमक श्वास का संशोधन चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. सुभाषचन्द्र शर्मा 6
10. परिणाम शूल (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन) एवं नारिकेल खण्ड : डा. रामगोपाल शर्मा 7
11. यकृदुदर और उसकी चिकित्सा : डा. भवानी सहाय शर्मा 7
12. पक्षाघात रोग विमर्श—निदान चिकित्सात्मक अध्ययन (शतावर्यादि गुग्गुलु प्रयोग) : डा. रामस्वरूप गुप्ता 8
13. पाण्डु रोग विमर्श (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन) : डा. जगदीश चन्द्र शर्मा 8
14. गृध्रसी रोग का नैदानिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन (रसोन प्रयोग) : डा. लोकनाथ शर्मा 9
15. रक्तपित्त और इसके चिकित्सा सिद्धान्त : डा. दुर्गादेवी मिश्रा 10

1976

16. शोथ रोग एवं पुनर्नवाष्टक प्रयोग : डा. सोमेश्वर भारद्वाज 10
17. कास रोग विमर्श (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन) : डा. शिवदयाल वशिष्ठ 11

18. अतिसार रोग विमर्श एवं अतीस प्रयोग	: डा. हनुमान सहाय शर्मा	11
19. वातरक्त विमर्श एवं कैशोर गुग्गुलु प्रयोग	: डा. मातृदत्त शर्मा	12
20. मूत्रविष संचार में मूत्र विरेचनीय एवं विरजनीय द्रव्य प्रयोग	: डा. रमेशचन्द्र शर्मा	12
21. प्रवाहिका रोग एवं चतुर्बीज प्रयोग	: डा. हरिप्रसाद शर्मा "ढण्ड"	13
22. आमवात एवं शुण्ठी (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	: डा. गोपाललाल पारीक	14
23. विषम ज्वर रोग विमर्श एवं करंज प्रयोग	: डा. मन्नालाल शर्मा	14
24. मधुमेह (नैदानिक अध्ययन; शिलाजतु प्रयोग)	: डा. राजनारायण शर्मा	15
25. अर्शोरोग विमर्श (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	: डा. सीताराम शर्मा	16
1977		
26. आंत्रिक ज्वर पर लक्ष्मीनारायण रस (नैदानिक प्रयोगात्मक अध्ययन)	: डा. रमेशकुमार शर्मा	16
27. क्रिमि रोग का नैदानिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन (राजिका प्रयोग)	: डा. हरिशंकर शर्मा	17
28. जीर्ण प्रतिश्याय पर चित्रक हरीतकी का प्रयोग	: डा. महावीर प्रसाद खाण्डल	18

29. वात श्लैष्मिक ज्वर : डा. बालकृष्ण गोस्वामी 18

1978

30. वात श्लैष्मिक ज्वर तथा रत्नगिरि रस : डा. गीता मिश्रा (शर्मा) 19
(निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)

1979

31. पैत्तिक ज्वर में तिक्तषट्पल घृत प्रयोग : डा. श्रीकृष्ण शर्मा 20

32. प्रवाहिका तथा बृहज्जीरकादि मोदक : डा. विनोद कुमार 20
(निदान चिकित्सात्मक अध्ययन) गोटेचा

33. परिणाम शूल एवं सामुद्रादि चूर्ण (निदान : डा. दयाशंकर मिश्रा 21
चिकित्सात्मक अध्ययन)

1980

34. पाण्डु रोग एवं वज्रवटक मण्डूर (निदान : डा. राममोहन त्यागी 22
चिकित्सात्मक अध्ययन)

35. अर्शो रोग पर दुर्नामान्तक शतमल्ल योग : डा. महेन्द्र कुमार श्रृंगी 22
का बाह्य चिकित्सात्मक अध्ययन

36. जलोदर चिकित्सा में बिन्दुघृत की : डा. चन्दनमल जैन 23
कार्मुकता

1981

37. आमवात में कंस हरीतकी की कार्मुकता : डा. अरुण कुमार 24

38.	कामला रोग पर पित्त प्रमाथि हिम (चिकित्सकीय अध्ययन)	:	डा. दीपचन्द कंसल	24
39.	तमक श्वास एवं हरिद्रा खण्ड (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. विनोदकुमार त्रिपाठी	25
40.	वातिक उन्माद में उन्माद भंजन रस की कार्मुकता	:	डा. अजयकुमार साहु	26
41.	ब्राह्म रसायन का वातातपिक अध्ययन	:	डा. गणेश उपाध्याय	26
42.	तमक श्वास में भार्ङ्गीगुड़ की कार्मुकता	:	डा. चन्द्रभानु शर्मा	27
43.	मधुमेह एवं स्वर्ण बंग (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. रामकिशोर पारीक	28
44.	गृध्रसी का निदान चिकित्सात्मक अध्ययन (एरण्ड पाक प्रयोग)	:	डा. राममणि शर्मा	28
45.	गण्डूपद क्रिमि पर क्रिमिरिपु वटी की कार्मुकता (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. श्यामसुन्दर शर्मा	29
46.	अम्लपित्त में अविपत्तिकर चूर्ण की कार्मुकता	:	डा. डी.जी. सोनवाने	29
47.	शोथ (निज) में कंस हरीतकी का प्रयोग (निदान चिकित्सात्मक एवं प्रयोगशालात्मक अध्ययन)	:	डा. रतनपाल सिंह चौहान	30
48.	प्रवाहिका रोग – वत्सकादि घनवटी (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. बृजभूषण पाण्डेय	31

49. विषम ज्वर पर पंचतित्त घन वटी का चिकित्सकीय अध्ययन : डा. रविशंकर राय 32
50. वाजीकरण के परिप्रेक्ष्य में कपिकच्छु पाक का चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. दिनेश्वर प्रसाद 32
51. तमक श्वास में शंखमल्ल योग (चिकित्सात्मक अध्ययन) : डा. अशोक कुमार जैन 33

1982

52. वाजीकरणान्तर्गत शुक्रक्षयज क्लैब्य (नपुंसकता) में कामदेव घृत की कार्मुकता : डा. ओमप्रकाश शर्मा 34
53. अग्निमुख लौह का रक्तवृद्धिकर प्रभाव : डा. श्रीनिवास शर्मा 35
54. तमक श्वास में शोधन : डा. हरि श्याम दुबे 35
55. वातातपिक रसायन एवं मधुयष्टि अवलेह (चिकित्सात्मक अध्ययन) : डा. महेश चन्द्र शर्मा 36
56. कास रोग का चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. रविलता जैन 37

1983

57. रक्तचाप एवं ब्राह्म रसायन (उच्च रक्तचाप का निदान चिकित्सात्मक अध्ययन) : डा. जगदीश प्रसाद पाठक 37
58. आमवात का चिकित्सात्मक अध्ययन एवं शिवागुग्गुलु प्रयोग : डा. हरवीरसिंह रघुवंशी 38

59. आयुर्वेदीय परिप्रेक्ष्य में डिप्रेसिव इलनेस : डा. सुधीन्द्रकुमार श्रृंगी 39
का अध्ययन एवं ज्योतिष्मती का प्रयोग
60. CLINICAL STUDY OF NIRVISHI : Dr. K. Govardhan 40
SINDUR KALPA IN THE
MANAGEMENT OF
HYPERTENSION
- 1984**
61. युवान पिड़िका पर कुंकुमाद्य तैल का : डा. बालकृष्ण शर्मा 40
प्रभाव एवं परिणाम का अध्ययन
62. मेदस्विता-स्थौल्य पर लौह रसायन प्रयोग : डा. दिनेशचन्द्र गुप्त 41
(साहित्यिक, नैदानिक एवं चिकित्सात्मक
अध्ययन)
- 1985**
63. ब्रोंकाइटिस (वातिक कास) पर : डा. निरंकार गोयल 42
कण्टकार्यवलेह का प्रभाव
64. शिरोबस्ति की कार्मुकता विशेषतः वातिक : डा. अशोक कुमार 43
शिरोरोग के सन्दर्भ में सक्सैना
65. निद्राकर चिकित्सा का महत्व : डा. कला कासलीवाल 43
66. चिकित्सा में बस्ति का महत्व एवं मांसक्षय : डा. रामनरेश शर्मा 44
में मात्रा बस्ति का मांसवृद्धिकर कर्म

1986

- | | | | |
|-----|--|--------------------------|----|
| 67. | A Clinical study of "TAMRA KALPA" on "YAKRI DUDARA" | : Dr. Arun Kumar Pandey | 45 |
| 68. | A Clinical study of "TRIPHALADI LAUHA" on "KAMLA" | : Dr. Rampal | 46 |
| 69. | A Clinical study of shodhanottar "BHARANGYADI KWATHA" in "TAMAK SWAS" (Bronchial Asthma) | : Dr. Vidya Vrat Chikara | 46 |
| 70. | प्लीहोदर पर वर्द्धमानपिप्पली रसायन की कार्मुकता का अध्ययन | : डा. ओमप्रकाश शुक्ल | 47 |

1987

- | | | | |
|-----|--|---------------------------|----|
| 71. | परिणामशूल में शतावरीमण्डूर की कार्मुकता का अध्ययन | : डा. राकेश कुमार | 48 |
| 72. | पक्षाघात में अर्द्धागवातारि रस का चिकित्सात्मक अध्ययन | : डा. टेकचन्द | 49 |
| 73. | रसायनान्तर्गत सर्पिगुड़ का जरा पर प्रभावात्मक अध्ययन | : डा. हेमन्त कुमार गुप्ता | 49 |
| 74. | अम्लपित्त पर खण्डकूष्माण्डक अवलेह का चिकित्सात्मक अध्ययन | : डा. राकेश मोहन | 50 |
| 75. | जलोदर चिकित्सा में ताम्रपर्पटी की कार्मुकता | : डा. विद्यानन्द त्रिपाठी | 51 |

1988

76. आमातिसार (अमीबियासिस) में वृहन्नायिका चूर्ण की कार्मुकता का चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. कृष्णमुरारी अग्रवाल 52
77. वाजीकरण के परिप्रेक्ष्य में अमृत भल्लातक की कार्मुकता का अध्ययन : डा. नरेश कुमार 53
78. गृध्रसी में बस्तिकर्म का चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय 54
79. अर्शोरोग में अर्शोघ्नी वटी का चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. महेश कुमार शर्मा 55
80. आमवात में आमवातारि वटी का चिकित्सात्मक अध्ययन : डा. विजयस्वरूप कौशिक 56

1989

81. शिवत्र रोग पर अवल्गुजादि गुटिका (बाह्य प्रयोगार्थ) एवं धात्री खदिर क्वाथ (आभ्यन्तर प्रयोगार्थ) की कार्मुकता का अध्ययन : डा. मोहिनी शर्मा 57
82. तमक श्वास में सुधार्क योग की कार्मुकता का अध्ययन : डा. सुनीता शर्मा 58
83. विषमज्वर (मलेरिया) में अचिन्त्यशक्ति रस का प्रभावात्मक अध्ययन : डा. धर्मवीर दलाल 59

84. मूत्रवह स्रोतोगत अश्मरी पर : डा. गिरीश कुमार तिवारी 60
वृक्कशूलान्तक वटी का प्रभावात्मक
अध्ययन
85. विचर्चिका में महाखदिर घृत की कार्मुकता : डा. अशोक कुमार 61
- 1990**
86. हृद्रोग में हृदयार्णव रस एवं हरीतक्यादि : डा. दिनेश कटौच 62
चूर्ण का मूल्यांकन
87. वाजीकरणान्तर्गत शतावर्यादि चूर्ण की : डा. बृजराज बिहारी 63
कार्मुकता का अध्ययन भारद्वाज
88. आवृत व्यानोदान वायु (उच्च रक्तचाप) पर : डा. सविता मलिक 64
रसोन गुग्गुलु का चिकित्सात्मक अध्ययन
89. अम्लपित्त में शतावरी घृत की कार्मुकता : डा. अनिता शर्मा 65
का अध्ययन
90. अर्शोरोग में बाहुशाल गुड़ की कार्मुकता : डा. प्रतिभा 66